approved. The work is likely to commence by the end of March, 1993.

(c) and (d) No, Sir. At present, due to shorter runway at Calicut airport, the Air India with its present fleet of aircraft can not operate flights to Gulf.

Expansion of Trivandrum Airport

31. SHRI E. BALANANDAN:
SHRI M.A. BABY

Will the Minister of CIVIL AVIATION & TOURISM be pleased to state:

(a) whether any project for the expansion of the Trivandrum International Airport is envisaged;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) whether any foreign airlines has approached Government with a proposal to start international service from/to Trivandrum; and

(d) if so, what are the details thereof and what is the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) Yes, Sir.

(b) Runway extension and development of new terminal complex, modification of International Cargo Complex, air-conditioning of domestic arrival hall and security hold area, improvement of runway lighting system, provision of approach lighting system are envisaged for development of Trivandrum airport.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise.

Construction of Alternate Runway at Goa Airport

32. SHRI JOHN F. FERNANDES: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the runway of Goa airport is used partially as road by Navy at two points despite ban on such crossing;

(b) whether N.A.A. has offered Rs. 21 lakhs to construct an alternate road, thus avoiding the runway; and

(c) if so, what is the reaction of Navel authority to this proposal?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) The road crosses the runway at two places but there is no ban on such crossings as these are controlled by traffic lights to ensure flight safety.

(b) The National Airports Authority has offered Rs. 25 lakhs to construct an alternate road, at different site; this will however not substitute the road that crosses the runway.

(c) The offer is yet to be accepted by the Naval authorities.

आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान पर्यटन का विकास

33. श्री अजीत जोगी:
श्री विट्ठलराव माधवराव जाधव:

क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अपनाई जाने वाली नीतियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इस संबंध में प्रत्येक राज्य/संघ क्षेत्र के लिए कोई पर्यटन योजना तैयार की गई है; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है, तथा विकसित की जाने वाली योजनाओं के नाम क्या-क्या हैं, उन पर लगभग कितनी लागत आयेगी और उनमें केन्द्र तथा राज्यों का हिस्सा कितना-कितना होगा?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया): (क) संसद में प्रस्तुत की गई पर्यटन के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना में सरकार की नीति उल्लिखित है। इस नीति के कुछ प्रमुख बिन्दू इस प्रकार हैं:—

—विशेष पर्यटन क्षेत्र का विकास।

—संस्कृति अभिमुखी पर्यटन को अवकाश तथा सावकाश पर्यटन में बदलना।

—परिवहन सुविधाओं, हवाई/सड़क में सुधार करना।

—अलग-अलग पर्यटक केन्द्रों पर सस्ता आवास उपलब्ध कराना।

—पर्यटन उद्योग में पूंजी-निवेश के लिए गैर-सरकारी उद्यम को प्रोत्साहित कराना।

(ख) और (ग) पर्यटन का निरंतर विकास किया जाता है। राज्य सरकारों को वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए विशिष्ट परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा जाता है जो पारस्परिक प्राथमिकताओं, मामले के गुण-दोष और धन की उपलब्धता पर निर्भर करती है।

एयर इंडिया और इंडियन एयरलाइंस के आर्थिक रूप से सक्षम मार्ग

34. **श्री अजीत जोगी:**
श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव:

क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या इंडियन एयरलाइंस और एयर इंडिया के अनेक मार्ग आर्थिक रूप से सक्षम हैं;

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) सरकार ने इन मार्गों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए क्या कदम उठाये हैं/उठाने का विचार रखती है?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया): (क) वर्ष 1991-92 के दौरान एयर इंडिया द्वारा परिचालित सभी मार्गों पर रोकड़ अधिशेष पाया गया है। जहां तक इंडियन एयरलाइन्स का संबंध है, 1991-92 के दौरान परिचालित 168 सेवाओं में से, 25 सेवाएं परिचालन की रोकड़ लागत को भी पूरा नहीं कर सकीं।

(ख) इंडियन एयरलाइन्स की 25 सेवाओं की अक्षमता के मुख्य कारण थे, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में उन स्थानों के लिये परिचालन जहां यातायात के अन्य साधन नहीं हैं, कम भार-गुणक के साथ कुछेक फीडर/पर्यटक सेवाओं का परिचालन, कम दूरी के सैक्टरों पर परिचालन आदि।

(ग) सेवाओं को आर्थिक दृष्टि से साध्य बनाने के लिए जहां तक संभव हो सेवाओं का पुनः मार्ग-निर्धारण, आवृत्तियों को युक्तिसंगत बनाना और विमानों के प्रकार में परिवर्तन करना है।

Multi-crore proposals for Development of Tourism in Madhya Pradesh

35. SHRI AJIT P.K. JOGI:
SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV:

Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government of Madhya Pradesh have submitted a multi-crore proposal for the development of tourism in the State;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) what action has been taken by the Central Government?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise.

Identifying places for development of Tourism

36. SHRI AJIT P.K. JOGI:
SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV:

Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government propose to undertake any comprehensive survey to identify places for development of tourism in the country;

(b) if so, the details thereof, and if not the reasons therefor; and